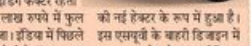
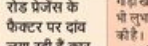


NBT GOOD न्यूज

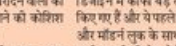


टटा XUV 700 की नयी अवतार XUV 7X0 के रूप में आ रही है।

साल के अंत में यह कार खूब बिक रही के खल 2026 में फिर खड़ा एक नयी टटल लगेगी के सर चक्राकर बोले लगेगी। यह एक एस सेमेंट ई को डन लगेगी को फेरवट बना हुआ है बिनेके को रोड प्रेस डिस्टांस केंटर जहां तक यह 15 से 30 मील तक में फुल खड़ा एक कुकी माला। डीजेल में फिलते खड़ा एक सेमेंट ई को डन में फुल खड़ा एक सेमेंट में सबसे खड़ा लगेगी नयी



को नयी बजट के रूप में आ रही है। एक नयी कुकी के बारी डिजाइन में बदलकर करके इसे प्रामाण्य खड़ा देने की कोसिस की जा रही है।



रोड प्रेजेस के कैप्टर पर दावा लगा रही है कार कम्पनी

दूसरी तरफ टटा को नयी डेजेल इनसे को



लेकिन इसके लुक्स और डेजेल पर नयी को बारी फेरवट किया है। सबसे ज्यादा लक्ष्य को खड़ी मा सक्ती है को खली को XUV 7X0 को यहाँ भी इस सेमेंट की लोडर रही और नयी अवतार में भी थपल मा सक्ती है। इसके टायर के सेम पर हम कर सकी है कि इसके डिजाइन में काफी बड़े लेसन पर बदलत किया है और ये यहाँ से ज्यादा ऑरियस और मोडर्न लुके के साथ डेजेल वाले है। यहाँ इसकी ये रोड प्रेजेस बदलत रहने

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनएसआर | गुरुवार, 18 दिसंबर 2025

कई महिलाओं के लिए तलाक़ ख़ियाह का दूटना नहीं, बल्कि गरिमा, सुरक्षा और स्वाभिमान की नई शुरुआत होता है।

— फ्लोरिया एम्मेस, महिला अधिकार कार्यकर्ता

कब सही है तलाक़?

किसी के भी जीवन में 24 साल बहुत धूपने ख़ते हैं, लेकिन जब इनका वक्त किसी ऐसे रिश्ते को ढोता हुए गुज़रे, जिसमें कोई ज़ान न बची हो, तो इससे बड़ी सज़ा कोई और नहीं। सुनोम को तो ऐसी ही एक शादी को याद करते हुए बिस्कुल टोकर बड़ा कि पुरी तरह टूट चुके विवाह को जबरदस्ती जारी रखना न केवल पति-पत्नी के साथ झूठ है, बल्कि समाज के लिए भी नुक़सानदेह है।

महत्वपूर्ण आदेश | इस मामले में पति-पत्नी छिछले 24 बरसों से अलग रह रहे थे। तलाक़ की अर्जी पति ने दायर की थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गुवाहाटी हाई कोर्ट ने गैर-कानूनी। ऐसे में सुनोम कोर्ट का रव डबलरिफ़ा माफ़तपूर्ण है, क्योंकि उसने साफ़ कर दिया कि पति-पत्नी के बीच अपार समझौते नहीं बन रहा, तो उन्हें जबरदस्ती साथ रखने का कोई अधिकार नहीं है। कानूनी रूप से भले ऐसी शर्तियाँ बची रहें, पर अपना भविष्य ढो देती हैं।

आकांक्षी का सच | भारत की परिवार अदालतों में तलाक़ के लाखों फैसले हैं। सरकार ने 2022 में संशोधन में 11.4 लाख का आँकड़ा दिया था। हालाँकि दुनियाँ से तुलना करें, तो यह संख्या बेहद कम है। देश में तलाक़ की दर कई दशकों तक केवल 1% रही। अमेरिका के 45% या ब्रिटेन के 41% के मुकाबले यह आँकड़ा बहुत भी नहीं लेकिन, इस आँकड़े के पीछे का एक दूसरा सच भी है।

अनचाहा दबाव | भारत में शादी का फैसला आमंत्रण पर लड़का-लड़की के परिवार वाले करते हैं और सम्बन्ध की रज़ामंदी भी उस पर होती है। जब सच अचानक चल रहा हो, तब तो यह सम्बन्धक बत है, लेकिन रिश्ते में उल्टा-पुल्टा हो जाता है। इसी वजह से अनचाहा दबाव पैदा होता है। यही दबाव रिश्ते को उस सम्बन्ध भी जारी रखने के लिए मजबूर करता है, जब सुलह की थोड़ी भी गुंजाइश न बची हो।

नकारात्मक सोच गलत | भारतीय समाज में तलाक़ एक ज़िंदगी विषय रहा है। कानूनन पति-पत्नी को अलग होने का अधिकार है, पर लंबी अदालती प्रक्रिया और समाज का दबाव इसमें मुश्किलें पैदा करता है। लेकिन इसे नकारात्मक रूप से लेना गलत है। अदालतों को बेमक़द फ़ैसले शादी बन्धन को काँधिश करनी चाहिए, पर अख़िरी फैसला हालात और पति-पत्नी के हितों को देखकर होना चाहिए। गरिमापूर्ण जीवन और नई शुरुआत का हक़ सभी को है।

गुस्ताखी माफ़

किस ब्रैंड की सिगरेट

‘अंकल, किस ब्रैंड की सिगरेट पी रहे हैं? आजकल?’ बल्लू बाबा ने मुझे मॉर्निंग की गुड लैंग्वेज बोल के पूछा। वह सवाल उठाकर दिमाग़ में तमोज़ा-तमोज़ा घोलकर पी गए वो कब? कैरेटों जैसा ज़ाह है। आजकल के कब? फ़्रंटफ़ूट पर आते हुए मैंने लंग और पर शॉट घाले की कोशिश की। पर कल्लू को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ा। उसने सही हुई लहान लेंच के साथ अगली गैट डाली। ‘मैंने तो आपको वैक्यू कल्लू के लिए देखा। आपकी बग़ल से हम बच्चों को भी रिश्वेत का मजा मिल रहा है।’

‘यह कम स्पीड की फ़ोखा देने वाली गैट थी। मुझे हैरान देख कर खुद शुरू हो गया।’ ‘हम बच्चे आजकल AQI ब्रैंड की सिगरेट पी रहे हैं अंकल। कोई बग़ल है कि 20-20 पी जा रहे हैं दिन में। कोई 40 बग़ल खा रहे। पर गिनती में बग़ल नहीं है, अरस्ली मजा तो यह है कि गोने को पिलत रही है। वैक्यू अंकल!’

‘अच्छा, तो यह किस्सा है। मैंने कल्लू को लहान-लेंच फ़ाड़ ली।’ ‘तो ये एक पल्लवान मने फैसला?’ इतने बरख़ाने हैं, केसुमर गाँवियाँ हैं, परल्लू की सम्पन्न है। ‘यह सच मैंने कहा है?’ एक के बाद एक चौकें जब दिख़ मै। ‘पानी का डिब्बाव हो रहा है। कन्ट्रोलन पर गैस लगा दी। कोसले और लकड़ी के तन्दूर भी जल रहे हैं।’ एक-दो सिगरेट भी चुग लिख़ मै।

‘बल्लू हंसा।’ ‘अच्छा मजाक है अंकल। परल्लू से निपटने के लिए किस्सियों को फ़ोटो दे रही पा रहे। गाँविये पर एकान का नाम आने हो आपके हाथ-पांव फूल जाते हैं। कोसले से चलने वाले पावर लॉन्ट के निपट डाल कर दिए। जंगल का रहे, बग़ल नहीं पा रहे आप। हर सलत अक्कर-से हल्ला शुरू करते हैं। गैस चैबर और न जाने कब-कब बोलने हैं और फ़व्वारी आने-आने चूष हो जाते हैं आप। ऊपर से तुराँ चढ़ कि तमोज़ा में ‘घोकरा की चमपा हूँ?’ कल्ला हलल रहे मग़। मैंने हड़बड़ी में टांग अड़ा दी। LBW होकर ही-ही-ही-ही हंसने के सिवा बग़ल कर सलत था?

एकदा

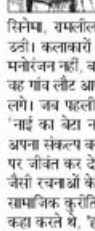
संकलन : दिलीप लाल

भोजपुरी के ‘शेक्सपियर’

‘पियवा गेड़ले कलकत्ता ए सनो’ भोजपुरी का यह गीत जिस ज़िन्दगी का स्मरण करता है, वह है पिछाड़ी लावुर, जिन्हें ‘भोजपुरी का शेक्सपियर’ भी कहा जाता है। उनका जन्म 13 दिसंबर 1837 को बिहार के सहरन जिले के कुतुबपुर डिस्ट्रिक्ट गाँव में एक साधारण परिवार में हुआ। जौनिक के लिए खल्ल सलते थे।

1914 में जब अवसल पड़ा, तो वह काम की तलाश में पड़मना काल के खज़ुरपुर पहुँच गए। वहाँ उनके चचा फलते से रहते थे। वह कलकत्ता और पुर्न भी गए, जहाँ सिनेमा, पत्रकारिता, नैटकी देखकर उनके भीतर लिपि कला जाग उठी। कलाकारों को देखकर उन्हें एहसास हुआ कि कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को आगे-आगे दिखाने का माध्यम भी है। वह गाँव लौटे और गाँवों व नगरों में अपने विचारों को झलाने लगे। ‘जब फलती बग़ल वह मच पर उठते तो लोगों ने तना मार, ‘नाई का वेडा नडक करेगा?’ लेकिन इस अपमान को उन्होंने अपना सम्पन्न का लिखा। वह गाँव रहने, उन्हें गुलामों और मंच पर ज़िंदगी का देना। ‘बिड़िया’, ‘वेदी वेवा’, और ‘गर्गवर्धन’ जैसी रचनाओं के ज़रिए उन्होंने खो-खोकर, प्रकाश की पीछा और अलगाव कुरीतियों को सीधे जनता के दिलों तक पहुँचाया। वह कला करते थे, ‘हमारी किताब जनता है, और गुरु जीवन’।

Sudhakar Dhar



US डॉन बना रहे, इसमें भारत का भला

ट्रंप प्रशासन की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटिजी (NSS) पर खूब बातें हुई हैं। NSS से दो बातें साफ़ होती हैं। पहली, अमेरिका अपने किसी भी सहयोगी और दोस्त को डबल नहीं करता। संकीर्ण आर्थिक हितों के लिए वह किसी को भी निखाना बग़ल सलत है। दूसरी, वह अब ग्लोबल पुलिसमैन बनने के लिए तैयार नहीं है। उसका फोकस लैटिन अमेरिका पर है और बकी दुनिया के लिए संदेश है कि अपनी सुरक्षा का इंतज़ाम खुद करे।

चिंता की बात | कई भारतीय विश्लेषक और राजनयिक लंबे समय से यह यूरोपीय दुनिया की पकड़ान करते रहे हैं। अब वही दुनिया उनके सामने है। लेकिन, यह ज़रन मफ़ाने की बात नहीं। चीन अपना दबदबा बड़ा रहा है। आज चीन का फिर फ़ाकिस्तान से दक़वज़ की सुरत में भारत किसी से मदद की उम्मीद नहीं कर सकता। यूक्रेन युद्ध की बग़ल से रूस अब चीन के साथ मजबूती से खड़ा है। कुल मिलाकर भारत इतना अकेल क

विराट विज्ञान आर्यकीर्ण की वेबसाइट : <https://www.rfci.co.in> → Care
17.12.2025 से चलना होगा। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15.01.26
इस भर्ती के लिए कोई भी शुद्धि/परिष्कार/वृद्धि केवल आर्यकीर्ण की वेबसाइट
प्रकाशित की जाएगी।
सीजीएन (एककार), आर्यकीर्ण

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in